

त्र°र्ज्जमा भारकार *ਙॡ**न उसेड प्राप्ट<u>म</u>्ह टमटीय म्हैंभे लेगाम *भेराष्ट्रम* स्टेट°मम र्टेभेष्ट सष्टर्जाराणी ला व्याप्य में उपार्श्व मोपाउँ प्राप्त विवादीय ズムルル つれかん



VIIIII ភេទក្សា នេះបាន र्राच मार्रे भारत स्त्रीमें ए *ॐधन्नए ह्रिक्षे गोर्डनए* टर्माण्डलीयए म्हित्रेमम् प्रोगारीच ऋष



प्रा^भणर स्तत देश्हमदन्द *พษ*จ ฃะัชโ एभाटामाभ्डर इस्तेन ष्योपार मस् टेज्हमरण्ड መ깨ሮ४ ርን'ዡሙሄ-लेण्यटाराए लिएमए 5*भे*स द्रिएशिए द्रिम



जमहेन प्राप्टेस्टाउर्बना इसित पण्ट र्षेष्ठर्रथामेटेटियम टेटा जिल्ला अध्यात क्रिस्ट प्रातेशीया न्हेळच्या यटाञ्चलनेकात स्रीज्यार्धकातीत क्षेत्रच इस्थागमा मञ्जाक ऋएए-ऍएसार्प उँक्षम

28% पारिजमाय होडम , इब्राम्य के जानकार मार्थ मार्थ

HUEIYEN LANPAO,

www.hueiyenlanpao.com,

RNI Regn. No. MANMEE/2009/31282 Postal No. MNP-409

लासेकर हे हा है अस्त्र स्थान കംമും പ്രാപുക് മുന്നു പ്രാജകുക്കും പ്രാജകുക്കും

(प्राप्त पण्ड पण्टाः ५-१०७म अम र्स्म) त्रक्र प्रश्निक अत्मित्र क्रामित्र ब्रामित्र ब्रामित्र ब्रामित्र ब्रामित्र ब्रामित्र व्याप्त प्रेन्नप्रस्ववार सिंस्ट्रा प्रेटी॥ गिभाराणम एदर्व रिजाटपार्वहरू വുള്ള പ്ര $\Pi_{\mathfrak{d}}$ नामाध्यास्त्रीत विषय अर्थकाष्ट्रीष्ट्राष्ट्र

ਸ਼ੀਲ एराम्माटी स **PREGHE COR** ॐणाएटेटे ८० माण्यत्य ह्यान्य स्थान ह-न्निक्तान्त्र पार प्राप्त क्रियान हे पार्थ क्रियान है । ०४ वारियामा ४ का प्रशास ॥ अर्थे वार्षिय राजान्त्रे ऋ४ग्रेगाञ्च र्संभेषालीप



ा नित्यार्फवार्य २०५८ है। रिज्यामकः हत्वे हवारित्र हर्षे व्योजन्य हमाधील हर्जे भिम्न पहिल्ला हिन्स व्याप्त भ्रम्याध्य उद्धिक्<u>रशा</u>रमास्र कि द्या ॥ भित्रस्य एक्स्स एभिस्स प्रामुख्याहरू । ॥ीठभ्रत्वर्गार हन्स्रम पामस्रीणष्ठणञ्जून रुण्यास हाधीरप्रण्यां भ्रम्<mark>स्य</mark> प्रधारामास ररभ्यमभ्तेच विष्याचीप्र<u>श्वर</u>िष्याच्यात

प्प<u>ोभ्क</u>रलोह्न-द्र ॥ राज्यामात हर्न्न रिष्ठा अल्ज्याधन्त्रग्रद राज्यन्त राज्यभा वरहेक अञ्चलमा ॥ <u>भन्</u>दोतात एडम रिप्रण एस्ट्रेंट विद्यारार्थ्यन्थान्द टार्स्टाष्ट्र रहारा राज्यार्क्र विराधित्र विराधित व एक समस्य गातार भरतीत एवं वर्ण भारती ।। विभागा हुए दर्ग दर्ग वर्ण दर्ग हिए भरता

ा विभयदर्गात पारिपार्भेद भारतिष्य समध्य भागा भारति भारति प्राप्त भारति एक प्रोराजन समस्य समस्य प्राप्त

र्टा हेसा स्ट्राप्त क्रम सामाधेर क्रिया है जिल्ला एक रामारिक क्रमात स्ट्राप्त स्ट्राप्त स्ट्राप्त स्ट्राप्त स्ट सिंम हमें हमें एक स्थाप सार्व हमें साध रूप प्रभाव स्थाप हों से हमा हम साध हमें साथ हमें साथ हमें साथ हम साध हम

ॻॶॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗॗ न्नस्य पायोशीसर्यात भर्टेटामामा वेद दर्वाण जरभर पामटा ॥ भर्चेट एमच्यटारीटा अटनमध्यञ्जन एक्ट्रेर पाररभीम एभञ्जमभर्भातील ॥ भर्चेट पारम्बर्गता ୀଙ୍ଦ र्ह्मण ,ियदर्क छन्यांपा भाषा आधारत्र<u>ाम</u>सन । ଅଧ୍ୟାନ ଓ । ଅଧ୍ୟାନ ଓ ଓ । ଅଧ୍ୟାନ । ଆଧାର ଓ । ଏହି । ଏହି । ଏହି । ଏହି । र्हा<u>भन</u>्यारी<u>भ्य</u>द्धान्त रहे ता राज्य प्रत्य मध्यम हास्त्र स्वाप्य प्रत्यात मार्यक्ष स्वाप्यम भाराजन राज्य प्राप्य स्वाप्य गञासा पारुद्ध राजासभारी भगासका भागिर द्रांग धर्महीम ॥भगासार हर्द्ध सड घौराम ॥भिन्नहोत्र राजासभार छद्धा भर

विष्कुणकारमध्य सार्वे स्वाच्या कार्या का

र्राष्ट्र भागित स्रितान्त रहावान राज्ये एक राजनीत हुन होल्ये रद्धा हुन हिल्ला समान महीम भार्त्यात रोजनीत रिवान रजन्मात क अस्तर्थ<u>न</u> हिन्दु हैं රිලාස ෆෟ<u>ණවාගු</u> පාල්වාස වාය වෙය වෙය. වෙන වෙන්වාද්යා සහමාර්ග ව්ලායා සටමාදුල්ලා වන දුරුවාදුව වන පසුලට වස්තු වස්තු ॥ गुणीरस्य ग्रदर्ग स्वापेटाश्रमी<u>श</u>्यारम निरम्भदर्श्य रहसामार्थसार्गात न्यान्ध्र प्रानुस्थान्ध्र रिज्य गान्ध्यभ्य स्रोत्तमस्यद ॥ १५७० में द्रणहेन हिल्ली भारितमा ॥ विस्वस्त्राच्या व्यामणमा तुंश्वाहामाल्य वासमामा युगायुर वाजाल्य

रीन्रभ्याणा ८००० का ४७० मा ४७० मा ८००० मा ४७० मा १५० व्यापा रहर्स्रायां स्वाप्त प्रमहीम राभवर्ट भिर्माशमहाम ॥ भिरुद्धमाद्ध प्रोश्यम पार्वार्ट रा<u>भ्या</u>यांका प्राराम राभव्यांका ग्रात्पामस्य ॥ दर्र किया प्राप्ता रहेना प्रशासक प्राप्ता के बार प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्राप्त के प्र र्राम रहर्रपार्शस्त्र हर छेन मण रचण । दर्भर रदर्ज न्हर्दण म्णाउद राज्य १९५५ १९५५ राज्यात भारत राज्याताच्य े र एष्ट्रियार्थ होयज्ञीय विवाद भज्जनाया होन्हें प्रसमस्म होयज्ञे द्रम । रिस्पार्ट मर्टिस्थर भवास्पर्य था गार जुरूक । भर्षेत चारत हर्न्यक स्थानित जीटक भारिक थिरभार हर्ने ब्लान्सर स्था त<u>र्दछ</u>्ती ज

त याणाना के स्वर्ण का जाता कि स्वर्ण का स्वर्ण का स्वर्ण का अन्याण का अन्याण का अन्याण का अन्याण का अन्याण का अ उप्पमाणा कर निर्माण कर है । एड. बार्चिय करमाणा के बिराय पार्टिय (अंशञ्जाय के जिल्लामा के जिल्लामा के अंश्वर्यक हीडणाभें जिल्ला माभुनु कुरभर्द दर्गद विष्णणार्कि ००१ भाषा ॥ ४५५ रहमाम एम ह रोदमण ५५३ एप्रमा १९३२ पाष වශ්දී පමත ய**.அ**ജിч്വ පාමන සා වාර්ණ වාජය සම්වූ වන්ද සම්වූණ වන්ද වන්දා වන්ද

॥โछणांत्रकारिक देखाँत १४ जीटाक मध्यम ॥โछणार्ष ७०३२ टाट्ये (टाटाकासान वर्ष क्षरान्यावीक्ट एस उत्तर जात है जिल्ला भारत है जिल्ला है जिल्ल उमरुँगा। इंडाब्सल भञ्जालका । जोहर्स प्रकृत लगा । जोहर्स प्रकृत लगा है। जोता के जोता के जोता के जोता के जोता के ଞ୍ଚ<u>ଞ</u>୍ଚଳ ଅଟେ ନ ୪୯୯୩ ଫ ଟୋଇର୍ଜ, ୀୟର୍ଜ୍ୟ ମିଲ ଫ ଅଟ ଫୁରେ ବିଅର୍ଜ୍ୟ ହୋଇମିଆର୍ଜ୍ୟ ହାରମ୍ପର୍ଥରେ ଆ<u>ବ୍ୟ</u>ତ୍ୟର କୁମଦ୍ୱୟଞ୍ଚର

। हिन्दानास राज्य अराज्य <u>क</u>ार । विचे जुरूर पायर सहमर्गात्म पारविक्र पायर सहमर्गात्म पारविक्र पायर पायन । विचे जुरूर पायर पायन पायन सहस्र ४७°म४द्धाया नायद्रे एड॰४८०७ वा मार्गात , ४७० वाम विवास विवास १८०५ वाम विवास विवास विवास विवास विवास विवास विवास ह्म हिन्दू सिन्द्र सिन्द्र सिन्द्र हिन्द्र हिन्द्र हिन्द्र सिन्द्र हिन्द्र ್ ठी हांटाका र्रेपान्य ।। छिपान्नीटार्फ छह्वभेर छत्तार्थक विष्याराक्ष प्रोटाप्याय १५५० एक के पाह ३२०३ र्रमाक्षा पामहोपाह छ ०००३

णीटा साराधार हें प्राया का जाती है जा का अप के जा है ज ४°४८°<u>भ</u>ार स्वारंगम रथाया गुरुषीऽम^रर वियाचरमण दर्श्योम राज्य पार्कि रोभेंड

र प्रभारत रहमा रीन्याद्य गापीलीमर्स्यात

॥ राज्यार पायुक्त जधीकभारत रहमारे प्रात्म ॥ भिदर्श हो रहि प्राप्त हो मही मही मही मही प्राप्त विकार विकार विकार

र्राण्य गार रुगा दर्म भन्ती गर्य राजा तम

र्र्षण) २० भष्ठमध्यारण प्रवेसद भारगञास मि^{रू}राज्य अध्या <u>४ भूर</u>ीगा र्रज्ञा ग्रदर्गर हैरेद ग्रहन्त्रग्रहक्त मार्गल किंम प्रोरमञ र एक्ट्री जारी र एक्ट्री हम कि में ी हमा मध्य प्राधान मध्य प्राधान ला कि प्राप्त प्राप्त के प्राप्त मा प्राप्त स्थल र जार्ग स्थापार स्थापा र्टार्य होजान्य प्रताप्त अधार्य होता र्ठेदर्छ प्रामुन्नीणरुग्राज्यार्णार दम तमन समार मुन्ति होता होता है। अपने सामित समारा है। न्यार्थनात्य मुरापीट स्था समृद्ध न्धर्याध्य एका । विद्यार्थित । अस्त्रमात्र टै-ल स्वयंत्रा ए ली रणोर्ट विष्य मा एक दक हर्ष धान्यभाष्ट्री प्राप्त भूमे भ्राप्त ह्मा एग्रदर्श स्थाभित हास हमण पा भिर्दर द्वस जीलक

HL Poll

Q: BJP na lambida thoktuna protest touba houraklibasi meekhal da Congress maithiba pinaba dramara? POLL CLOSES AT MIDNIGHT

Yes No

Vote thadanabagidamak www.hueiyenlanpao.com da Visit toubivu

NGARANG GI RESULT

Q: Ehouna lairik tamhoudraba maheiroisinggi problem exam pass touhallaga saknaba yagadra?

Yes | 05% | No | 95%

企。好任。2 の**面**

ಲಿ, ಪಾಸ ತಾನ ಬಿಲ್ಲಾಡ್ ಪ್ರಸ್ತಿ...



लीलाईस हन्योस उन्हेंसाह्य ...र्इ O°न म्हरोम रूढ्य उक्ष्मर...!

भरणध्य जानवर्गात भूम मध्यमा प्राप्त मधार एक मीर ध्यामभर

मण भागाणा उ<u>र्भत</u> भारतीयतम र⁶भित्र रह्मत्र पारुर्वम भारतीय २० भवनभरतार र्जमत णाउपप्रधार स्वार्थक्रम रमभक्ता ॥ोद्रशीरा रूपोर्धाई भार्माद्वर्म ५७५ प्राप्त रिपार्टेपार्थ भागात ीणहर्द्ध जास्त्रपार्ट्स राज्य अधि उत्पार्ट हारा है । जिस्त्र पार्ट के प्रित्य प्राप्त कि सम्बर्ध स्थाप्त स्थाप ॥ ปริปินสาม 🛪 ଅ ଅ ୬୭୭୯ ସ୍ୱର୍ଯ୍ୟ ପ୍ରଥି । ଅଧାରଣ କ୍ରୟ ପ୍ରଥି ଓ ଅଧ୍ୟର୍ଥ ଓ ଅଧାରଣ ବ୍ରୟ ପ୍ରଥି । ଅଧାରଣ ପ୍ରଥି ଓ ଅଧାରଣ ବ୍ରୟ \mathbf{u} अत्वाग्धेर रिप्रण रीयपाउन्नेय मर्गप रीयपाधदर्व दक्षें उपार्यां प्रकार रिष्ठे राज्य राज् ॥ गिष्ठाम पाष्ठवर्ठ १८ गवर्ज राजनिराधिर रेपाध्य गवर्ज श्रुमार, राज्या ग्राह्म राज्या वर्षण व्याह्म व्याहम ॥ अञ्चरण व्याहम

Оруманы प्राप्त स्वर्गात प्रत्यात स्वर्गात कर्मात के सामा कार्यात के सामा के समाम के समाम के स्वर्गा के स्वर्ग के समाम के सामाम के समाम के सम എളിന് ഉപുടിച്ച ക്രവാലുള്ള പരിച്ച പ്രത്യേട്ട പരിയ്ക്ട് പരിയ്ക്ക് പരിയ്ക് പരിയ്ക്ക് പരിയ്ക്ക് പരിയ്ക് വരിയ്ക് പരിയ്ക് പരിയ്ക് പരിയ്ക് വരിയ്ക് വരിയ്ക് പരിയ്ക് പരിയ്ക് പരിയ്ക് പരിയ്ക് പരവയ് പരിയ്ക് പരിയ്ക് പരിയ് പരിയ്ക് പരിയ്ക് പരിയ് रूक हमें हेरे हमर हर्स हर्स रहेरे स्वाह्म विभारक कार्यात कार्यात हरेरे स्वाह्म विभारत स्वाह्म विभारत स्वाहम प्राणेक्षर क्रेंक्स. इंप्यूनिस देंक्रस्य होती होती स्वाप्त स्वित क्रिक्स क्रिक्स होती होती है है है है है है है ॥<u>भभर</u>णन्हें ॥ ७५० त्याम प्रोलक्षर हो तमस माग्र हो है भिम पारम्य मभीन् हर्र गाग्रर्न हमराप्रभव्यम

സ്ഥാപ്പെട്ട ଓष्ठानिक्षणीयां ॥ अस्य ते विक्रणीय सार्यम त्रक्षणीय सार्यम त्रकष्णीय सार्यम त्रविष्णीय सार्यम त्रविष्णीय सार्यम त्रविष्ण हर हुन हैं १००१ पास समर्याण्या भा ०३ ८०० पार्या भाषाम होजा कोछर रास कार्या मार्था होता है हुन हैं १०० पार्या है हुन है १०० पार्या है है १०० पार्या है १००

ज्यारिज्यान्त्रेय राज्याव्यान्त्रियः । भिष्यः राजाः विकास विकास विकास ाष्ट्रालय हो स्वर्ध के प्रताप कि

ज्भेष्ट हुन हुल्यास्त्र भुनारे ज्या

११ भेड़ेर हर्न ज्रहाणि प्राप्तभ्रजभरभभेड्डिय

मिर्द्ध विस्वास स्त्री विद्यापा स्त्री विद्यापा क्षेत्र विद्यापा स्त्री विद्यापा स्त्री विद्यापा विद्यापा विद्यापा स्त्री स्त्र र्रम भिर्णा छरतास्त्र ४॰मि॰ उछदााष्ट्रम भामण र्रेर ा विशास स्वाधिक सामा क्रिया स्वाधिक स्व

क्रिस्टास्त एक्टाणक प्राप्तमा रहीम ह्या प्राराजिक प्राप्त अभारक अल्या रहीं) २० भारक प्राप्त अभारक अल्या हिंदी अधिकार शिवस्त । विस्तर्व के विद्याला स्रोत कि विचा १००० मिर्ट हैसा विभा राजांत अजिल्ह । विस्तर्व के विद्याला प्रकार विद्याला अराहर प्राप्तिक अस्ति विकास प्रमुख्या हिन्द्र हिन्द्र विकास स्थापिक विकास स्थापिक अस्ति विकास विकास विकास विकास विकास जहाँ मीवर हामित्र उंजीह उत्पर्ध जन भवरामभाराज्यन भा ००० द्याम एकार रहांक हैतावर रिवार (असंगार)करेंक्र) सर्रेट्रोमाम विमाणांके भारिएम

७४० स्ट्रा अभाव स्ट्रा होत्रजन्म हाजामा प्राप्त हामीलमायाचे भलार प्रवास प्रवासाय हर्<u>क</u> भारतं प्रारेष

ाहेण इंगारी जाउं मां मां पारिअभन्तीहरूषा ही<u>भन</u>्दर्व भव्तं प्रदेण) २० भहमण्दारण स्वात

ण्डिस पार्भम ीटाम टार्भटा ग्राप्त ग्राप्त ग्राप्त मार्गम) २० सर्भेड स्वयामीटोन्स ॥ रिज्नसंत र्याम रिट्यसंस १८७म र र महणाभ्य किस प्रमाधिस भारति है से प्रमाधिस भारति है से प्रमाधिस भारति है से प्रमाधिस मञ्ज र छार्षः हार्षः जिल्ली १२.३ वर्षाचार्याणा रहे हत्य गिर्मा १४ रहे वारा अन्तर्व चाराव रोजपार्यामा ह ३३ रिट्य इटिरिहिटिजि अप्रस होने मिर्जे रेल्यहरिला।

स्त्रभा भारता प्राप्ति स्थाप मोष्पण ५८५५% हरू ξ^{5} ीलक र्रोंक ोम्रा) ४७°म्भभर्नातीरू प्राप्ति भ्रतीब्द भर्द हीलञ्चर्ता रूप्राप्त रिप्पाप्त रोज्यपद्मार्गा भ्राप्ति िया उन्नेंदर्स (एस भव्यत्री) होत्र द र भागन्य विकर्त हार भागन्य भागन्य हार्क राज्य हार्क राज्य हार्क राज्य हार स्टिएक स्थान्नियाः <u>स्थ</u>ान

मधीजाया मध्येन ट्रेस्पार अध्या मध्या भीताया मध्या भीताया मध्या मध्या स्थाप मध्या है दर्जाए भव्यर्प हो भग्ना महानिव हो एक वार्किय । विस्तानिवार भव्यं अपक्रीप्रिक भारति रिथिक एक मचर्माई प्रांटक भागमी<u>म्य</u> ग्रह् दर्भार्डम छुदभन्न रह्माधिक भागिष्म राज्य जहभीर प्रांचिम राज्य र्रेरम हाप्राप्त मीसाल पान्नहीं पोलम मीसाल हैं 553 र भेलप्पर्स लिए एंलम विप्राप्त पार्टिपार्प सर्ज्या लक्ष्मा भग्नन्यात हो नहीं विक्रमाना के उन्हें विक्रमाना के अनुमाना क र्शसम्बद्ध राष्ट्री गार भरोग्रज्ञ कार्राज्य कार्य्याप भरार्य भ्रमा भारभ्रज्ञास्य ब्राध्याप ,ोदर्बर प्रजञ्जमध्य हरुर्द्ध वाज्यम राभुरू रूपरेखा वाशित्र उदर्श वार्र समहीम उसमण जावाँके भागाजम ।। त्रिनाशिन जाव्यम कि तर कि मात्वामां ह खणहरू ीणहरू ीटाम मोखाटा टिप्पः ।। विस्वधः हाम्यान्तः हाम्यान्यः हिन्याधारभर देम जन्नम् ।। वियान्तर्वतं हृश्करणाया भरतोष भर्दाण्डळ ॥ विर्पेत प्रभीम भर्कार दीभ्यम निवासित मर्भमें ॥ जिलाखी र्याप्त रज्या जिल्ला र भीरामर्भम ह 🔐 भरमारक्षार शाउद्गर पामस्रीधामर्शम छोटाक्र रोम छर्नांकै मो<u>ष्पर</u> द<u>र्</u>जार रोमर्स पास्ट एस्था अस्त्रास्था धार्माधाम ीट हर्न गारपाद्ध रूठस्त्र वाज्यम राधेष्ट रूपरेखां ए।टाएम मी<u>माए</u> । 'चएछोट) रूम' रू राध्यम रूपमा किद ते विद्यापा किद<u>र्व</u>द्ध राधिणा न्हर्सर हरत्य हो प्राप्त स्वासिक स्वास्थित महासम्बन्ध महासम्बन्ध सामन हो सामन स्वासिक स्वासिक स्वासिक सामन ्रणार्श्वास्तर्य हर्दा विकास स्वराध मानाम हर्दाष्ट्राण भार्य निराजन्यां प्राचित्रस्तर हर्दे ५०२ पार्म राष्ट्रा राज्य हर्ज्या प्राचित्र । विभावन्त्रें स्थातिव्रम श्रायाव्यक सर्वेत्र वर्ष्या । वे साधित्र भारत्त् भरभत्यस्त रिस्पार्टपामा जर्मणे १ (मध्येषा) भर्तह होराज मर्रापाण भारत द रिस मञ्ज राष्ट्रीराजनराष्ट्रस्त मर्थमार्घे राभ्ये जाग भारभंत्रीय पाठिन २००५ विद्याचित्राचे भारत पार्य पार्याच्या राभुत्रस्त्र ग्रह्मद⁶5 राषा स्टार्गात सरीय पानाम भाष्य होने स्वायत विराध किरान स्वायत स्वायत स्वायत स्वायत स्वायत स्वायत स्व ॥ भिदर्बद भिरं र ५५४ व्याजन भी ।

भिष्टित महणाभित्र मध्यार्घ <u>भूज</u>णाण मो<u>ष्पण दर्शा</u>ण

र्जमद गिणाणेल्य जरभ्रत्मा⁶र र्प-च्च भुष्ठमुख्रारल ॥ १५५० होगात प्यांत्रत हरिष्ठा महपाभित मधिमेट रुभष्यत ५ ७७४) णण्या पामसीपामरीम मी<u>ष्पल</u> द<u>र्गा</u>ल भव्यंत रीभ्थे राज्या राजपार्वाणा प्रार्क दुर्क

॥ त्रियार संस्थार अ<u>स्त</u>िर्धार हे । जिल्हें स u राज्यायर्थक्त राजार्यक्त न्नारापाठम°C भर्दर रमधाय पामहीपारउँ भरभंभ

णी प्राथित हिस हम हम हम स्वास प्राप्त महम रिक ភ្វី៩॥ 🖫 माउनस्य जीवणीज प्रंन्स पारिष्ट

भ<u>ुष्त</u> ॥ विश्वाधाल अधभूष्र महिमट्टे होर्यु सम्विमट्टे मीह्यल जहूदर्ग मधम जीलम जहुंभर्द प्राप्त जदर्ग भलभा द्व लग्ज जहर्द दर्भर रजभर मेळस - ෆාැල්ක

> CIMITH CHAIN **ाल्यम स्थाएत तर्या जाताम मार्गित** ग्राटामा ॥ ग्रियास्थेत होगात प्याटाद हर्द्धाग्रयार्थात्रस्य ग्रञ्जा महस्र्व ०७दर्क १५७७**७ स्था** स्वरीम भारिक मधीर ॥ इन्याहमस मर्जर ट्रिस्ट्रेम इक्षण्यम प्रभित्रे

> - സൂർട ಸ್ಞಾಗಿಸ್ಟ ഇന്വലാന ഒ രാരൂ ട് പെ ॥ गण्डायहून प्राप्त सम्बद्धाः अब्हुद्धाः सम्बद्धाः सम्बद्धाः रङ्गातम ीजीटम मी<u>खाट</u> म॰म छङ्गभंतर पाउँट उद*्*म ण अरे में हे. के. केर केर जीवा प्राथम केर हेन्द्र हो । केर प्राथम केर हैं केर हैं केर केर हैं केर केर हैं केर नेत्रज्ञा, वेंसभेम ज्ञान महानित्र त्राप्त क्षेत्र हिंदी , जिल्ला कि नित्र हिंदी है , जिल्ला कि नित्र है , जिल्ला क र्येट २३.२ उदर्ग विषयणान्य पामस्वीमीराम मास्या ॥ भि माष्प्रण ॥ गिर्माराणील वास्तर वार्य हार्य हार्य प्रमाण प्रमाण वास्तर ह्रब्रह⁶मा एक प्रतास कर्प के जान क णीलद हरिष्ण मञ्जा जिमरण°भव जिल्ला ५५ रहे ५५ ५५ जिल्ला प्रात्या । र्वमाया ॥राउमग्र मळ्ळाल राग्रेल प्रोलम ॥राज्योभुरत्वाचार्य 022,22 प्राध्यमत स्वरुद्ध ४३०३ ॥ १७५५ मुन्य प्राध्य १५,२१ रभीम रग्जर में पालय सम्भ गमरदिष्या प्राप्त दें मुल

'ठाप्पोरोसिया <u>ठर</u>ोपा'न त्रिनेपार', गोपापियो प्रोक्षहितन का का प्राप्त का स्वापाल का स्वापाल का उत्तर का उत्तर का

॥ १५ मा १ जार्य पार्य के प्राप्त विकास विकास विकास रूपाणीर रह्य °५पा॰रुञ्ज

रिभिन्ने सामार्थि समारम रहित

॥ भिदर्श रोठणाँग णथ्यम ०२ णमा पार्य णथरू राप्तामा णी मर्भ र प्रधाद

ജം നിലെ വേഴെ വഴിലെ നില്ലി നില്ല िय्य मी<u>ष्यल</u> द<u>र्ठमा</u>ल भर्यत लुग्नदर्श गुणगुरुर्श्व रगुन्ने भित्रमाचाभीम ४८६ गुमन्म लि र रन्जम्म ॥भिदर्श होर्ह्रम चा सर्<u>शन्त</u> चामर्ग्शक्षद रुखचाम रिक्रंस कुर्मार रिद्धमा रिद्धमा रिद्धमा प्रतिचारित र राज्यमा ॥ भिदर्श भिष्णात्म न्यञ्ज

अस्तर्भाषा प्राहेन स्वाप्त प्राहेन सर्वा होता है से स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त होता है से स्वाप्त

<u>ष्ठट</u>ेश्वाश्त्र ऋेण्य प्रा

॥भिक्षेद्र होर्माक ए सरस्य १० ७५ जि. १० जि.

गागे गೌಲ್ ಸ<u>್ಚ್ ಹ</u>ಟ್ಮ್ ಸ್ಟ್ರಾಪ್ ಹಟ್ಟು ಹಿಡ್ಡು ಪ್ರಮು ्यसीमा ग्राम्य ४१२म् समध्यः स्वाधिरभःब्रीत्रश्चात्रश्चात्रस्य द्वान्य द्वान्य विष्या । व्यान्य विष्य विष्य विष्य प्राथा प्राथा स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान ीण४बर्फीस ४<u>भन</u>्दर्श टिप्पणुंस ६९०स बर्द्यस ॥॰ण४बर्सा टिए एक ४४सपास टि आ कि पांसर्फिस्य गाउटर गिरिक्र एवर्ड रिजारसभर ५६ दस मि ෘ පාරාල්ක සනගර් වනයාද සග්යනවා නම් සමාස වනයාදී වෙනයන් දාස සමාවක සමාසම සමාද සහ සම්වූ වනයා සමාදු වනයා සමාදු වනයා द्याम उपाएँ भागातम ह प्राप्ता रामर विषय है निर्माण में हाभवर्य भन्न हमित्रोम उदर्शिष्य एक्ष्य भागातम रामर क्षे भेषात्र है ग्रायाठळेटी क्रिस ४२३,०२ व्यांटीचा वर्षण्या वर्षण्या हुण्याठ के उमहोम रिका प्रकार क्रिस इस रुस हिल्ला हुण्या हुण् 1m ් හි වස්වි වශ්වි වාවක වස්ව අවවාද විශ්වා ස්වාය ස්වාය වේදා අර්ශාන හේවාය uවාමා්යන්වාදී ර්යාය ආක්වය වේරා ක්වාශාවය ിറെടിട്യെപ്ഫേണ്ട് ന് ഉട്ടാട്രായ് വെട്ടായ് വെട്ടായ് വെട്ട് പട്ട് നട്ട് വെട്ട് പ്രാധ്യാ വെട്ട് വെട്ട് വെട്ട് വെട ीह ह<u>भर्</u>याच्या हिसम १७४८ की मार्था प्रतान हिसम १५ मार्थ विद्याच्या हिसम १५ भरम रग्रीमापार्ष्यन ग्रपार्किं ीलीमा ीमा २२०३ र्माषा ग्रस्तर्व भिद्ध ॥ रिभिष्ठमादर्व

 π ട്ടാ ഏട്ടെ എട്ടം എട്ടെ വഴ്ച വര്യ നേട്ടില് വര്യത്തെ ഉട്ടോ സ്വാധ്യ പ്രവേശത്ത് പ്രവേശത്ത്ത് പ്രവേശത്ത് പ്രവേശത്ത് പ്രവേശത്ത് പ്രവേശത്ത് പ്രവേശത്ത് പ്രവേശത്ത് പ്രവേശത്ത് പ്രവേശത്ത് പ്രവേശത്ത്രത്ത് പ്രവേശത്ത് പ്രവേശത്ത്ത് പ്രവേശത്ത് പ്രവേശത് പ്രവേശത്ത് പ്രവേശത